खबर संक्षेप

लिलजी नदी के अंदर डाली जा रही सीवर लाइन पर लगाई गई रोक

मैहर। शहर अंतर्गत सीवर लाइन पंप हाउस निर्माण के सबंध में तहसील मैहर अंतर्गत ग्राम पटेहरा मार्ग में सीवर लाइन का पंप हाउस निर्माण कार्य कराया जा रहा है जिससे तालाब में पानी आने का रास्ता बंद हो जाता है। उक्त निर्माण कार्य से तालाब का पानी प्रदूषित हो जायेगा। इसी प्रकार लिलजी नदी में भी अंदर से सीवर लाइन डाली जा रही है,भविष्य में यदि सीवर लाइन में रिसाव होगा या क्षतिग्रस्त होगी तो उससे पूरी नदी का पानी प्रदूषित हो जायेगा। मैहर अनु विभागीय अधिकारी के द्वारा पत्र जारी कर ग्राम पटेहरा मार्ग एवं लिलजी नदी पर कराये जा रहे सीवर लाइन निर्माण कार्य पर तत्काल प्रभाव से अग्रिम आदेश तक रोक लगायी गई है।

पुलिस ने पकड़ी 63 लीटर अवैध शराब एक गिरफ्तार

सतना। सिटी कोतवाली पुलिस ने मंगलवार को एक ऑटो-रिक्शा से 63 लीटर अवैध शराब जब्त की और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक काले रंग की ऑटो नंबर एमपी 19 जेडई 4641 जिस पर राजेश कुशवाहा लिखा था,अवैध शराब लेकर सोहावल बाईपास से जिगनहट की ओर जा रही थी। पुलिस ने घेराबंदी कर राजेश कुशवाहा(उम्र 20वर्ष,निवासी अतरवेदिया , नागौद) को पकड़ा। तलाशी में ऑटो से एक कार्टून गोवा अंग्रेजी शराब और छह कार्टन देशी प्लेन शराब बरामद हुई। कुल 63 लीटर अवैध शराब और ऑटो जब्त कर आरोपी को आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत गिरफ्तार किया गया। जब्त की गई सामग्री की कुल कीमत 1,28,000 बताई गई है।

उचेहरा पुलिस ने तार चोरी के इनामी आरोपी को किया गिरफ्तार

सतना। उचेहरा पुलिस ने मंगलवार को तार चोरी के एक इनामी आरोपी सतू उर्फ सतेंद्र कुशवाहा उम्र 34 वर्ष,निवासी कुंदहरी,उचेहरा को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी सतना पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में की गई। आरोपी सतेंद्र कुशवाहा करही सब स्टेशन से मछखपा वाटर फिल्टर प्लांट के लिए बिछाई गई 11 केवी पीएचई लाइन से लगभग 13 बिजली के खंभों से एल्यूमीनियम केबल चोरी के मामले में वांछित था। यह घटना 9 और 10 मार्च 2025 की दरमियानी रात को हुई थी। इस मामले में पुलिस ने पहले ही पिंटू उर्फ हीराचंद,सत्यम उर्फ अमित गुप्ता,ज्योतिरादित्य वेंकटरमन सिंह, सनी कोल और अमृत कोल को गिरफ्तार कर लिया था। फरार चल रहे सतेंद्र कुशवाहा पर पुलिस अधीक्षक सतना द्वारा 5,000 का इनाम घोषित किया गया था। उसे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय में पेश किया गया,जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव की भव्य तैयारी,सिद्धेश्वर बालाजी धाम सगमा में जुटेंगे देशभर से श्रद्धालु

सतना। सिद्धेश्वर बालाजी धाम सगमा में इस वर्ष 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव अत्यंत धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। इस पावन अवसर पर देश के कोने-कोने से श्रद्धालु और भक्तगण सगमा धाम पहुंचेंगे। महोत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं और आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे की व्यवस्था की गई है। दिनभर धार्मिक अनुष्ठानों,गुरु पूजन,भजन-कीर्तन और प्रवचनों का आयोजन किया जाएगा,जिसमें संत-महात्मा और भक्ति रस में डूबे श्रद्धालु शामिल होंगे। आयोजकों ने बताया कि गुरु पूर्णिमा का यह आयोजन गुरु-शिष्य परंपरा की गरिमा को समर्पित है और प्रतिवर्ष इसकी भव्यता लगातार बढ़ती जा रही है।सतना जिले के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक सिद्धेश्वर बालाजी धाम पर यह पर्व आस्था,सेवा और भक्ति का अद्भुत संगम बनकर उभरता है।

औद्योगिक प्रगति के लिए संघर्ष कर रहा है सतना

सतना। विंध्य क्षेत्र का हृदय कहे जाने वाला सतना ज़िला,प्राकृतिक संपदा और ऐतिहासिक महत्व से परिपूर्ण होने के बावजूद,दशकों से विकास की दौड़ में पिछड़ता जा रहा है। इसका प्रमुख कारण स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उदासीनता और दूरदर्शिता की कमी है। ज़िले में मौजूद अपार संभावनाओं के बावजूद, सतना आज भी मूलभूत सुविधाओं और औद्योगिक प्रगति के लिए संघर्ष कर रहा है।

नहीं स्थापित हो पा रही नई इकाइयां

सतना सीमेंट उद्योग का एक बड़ा केंद्र रहा है,लेकिन नई इकाइयों की स्थापना और मौजूदा इकाइयों के आधुनिकीकरण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। किसानों की बात करें तो उन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने में भी स्थानीय नेतृत्व विफल रहा है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी ज़िले की स्थिति संतोषजनक नहीं है। बेहतर शिक्षण संस्थानों और विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी के चलते लोगों को इलाज और पढ़ाई के लिए बड़े शहरों की ओर रुख करना पड़ता है।

पर्यटन के क्षेत्र में भी विकास नहीं

पर्यटन के क्षेत्र में सतना के पास अतुलनीय क्षमता है। मैहर में माँ शारदा का प्रसिद्ध मंदिर,चित्रकूट में भगवान राम से जुड़े स्थल और भरहुत के बौद्ध स्तूप के अवशेष जैसी जगहें हर साल लाखों पर्यटकों को आकर्षित करती हैं। इसके

बावजूद,इन स्थलों तक पहुँचने के लिए उचित सड़कों का अभाव, पर्यटकों के लिए बुनियादी सुविधाओं की कमी और प्रचार-प्रसार की शिथिलता सतना को पर्यटन मानचित्र पर अपेक्षित स्थान नहीं दिला पाई है। पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय लोगों के लिए रोज़गार के अवसर पैदा हो सकते हैं,लेकिन इस दिशा में ठोस पहल नहीं की गई है।

घटते जा रहे हैं रोजगार के अवसर

सबसे चिंताजनक बात यह है कि ज़िले में रोज़गार के अवसर लगातार घटते जा रहे हैं,जिससे युवा वर्ग पलायन को मजबूर है। औद्योगिक निवेश को आकर्षित करने और छोटे व मध्यम उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कोई प्रभावी नीति नहीं बनाई गई। सड़कों की खस्ताहाल स्थिति,बिजली की अनियमित आपूर्ति और पेयजल की समस्या जैसी बुनियादी ज़रूरतें आज भी सतना की जनता के लिए बड़ी चुनौती बनी हुई हैं।

व्यक्तिगत हित में व्यस्त नेता

स्थानीय नेताओं पर अक्सर यह आरोप लगता रहा है कि वे व्यक्तिगत हितों को ज़िले के सामूहिक विकास पर तरजीह देते हैं। दूरगामी योजनाओं का अभाव और तात्कालिक लाभ पर केंद्रित राजनीति ने सतना के भविष्य को अंधकारमय बना दिया है। ज़िले के विकास के लिए एक समग्र और दूरदर्शी दृष्टिकोण की आवश्यकता है,जिसमें स्थानीय संसाधनों का सही उपयोग हो,युवाओं को रोज़गार के अवसर मिलें,और सतना एक आत्मनिर्भर व विकसित ज़िले के रूप में उभर सके।अब समय आ गया है कि जनप्रतिनिधि अपनी ज़िम्मेदारी समझें और सतना को उसके वास्तविक गौरव को वापस दिलाने के लिए ईमानदारी से प्रयास करें। अन्यथा,यह ज़िला केवल 'पिछड़ा' ही बना रहेगा।

आरटीओ में सर्वर डाउन से हाहाकारः लाइसेंस आवेदक परेशान, लंबी कतारें और मायूसी

लंबी प्रतीक्षा के बाद कई लोग बैरंग लौटे

सतना। आरटीओ कार्यालय में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने आए लोगों को मंगलवार को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही कार्यालय के बाहर आवेदकों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं, लेकिन सर्वर डाउन होने के कारण कामकाज पूरी तरह ठप रहा। घंटों इंतजार के बाद भी जब सर्वर ठीक नहीं हुआ,तो कई लोगों को बिना अपना काम कराए ही बैरंग लौटना पड़ा,जिससे उनमें भारी निराशा देखने को मिली। प्राप्त जानकारी के अनुसार,मंगलवार सुबह 10 बजे कार्यालय खुलते ही लाइसेंस बनवाने और नवीनीकरण कराने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए थे। देखते ही देखते कार्यालय परिसर और बाहर तक लंबी लाइनें लग गईं। हालांकि,कुछ ही देर बाद पता चला कि सर्वर में तकनीकी खराबी आ गई है,जिससे ऑनलाइन आवेदन और अन्य प्रक्रियाएं रुक गई हैं। कर्मचारियों ने बताया कि सर्वर में दिक्कत आने के कारण कोई भी काम नहीं हो पा रहा है। दिनभर सर्वर ठीक होने का इंतजार करते-करते कई आवेदक थक हार कर लौट गए। दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से आए लोगों को सबसे ज्यादा परेशानी हुई,क्योंकि उन्हें आने-जाने में समय और पैसा दोनों खर्च करना पड़ा। एक आवेदक ने बताया,मैं सुबह 9 बजे से लाइन में लगा हूं,लेकिन अभी तक कोई काम नहीं हुआ। सर्वर कब ठीक होगा,कोई बता भी नहीं रहा है। आरटीओ कार्यालय में मौजूद अधिकारियों ने बताया कि सर्वर में तकनीकी खराबी है और इसे ठीक करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही सर्वर बहाल हो जाएगा और कामकाज सुचारु रूप से शुरू हो पाएगा। हालांकि,इस स्थिति के कारण आम जनता को हो रही परेशानी को लेकर कार्यालय में मौजूद लोगों में नाराजगी साफ देखी जा रही थी। सर्वर डाउन की समस्या आरटीओ कार्यालयों में अक्सर सामने आती रहती है,जिससे आवेदकों को बेवजह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या के स्थायी समाधान की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

आरटीओ ने लोगों को दिया भरोसा

दोपहर के वक्त आरटीओ संजय श्रीवास्तव जब कार्यालय पहुंचे तो उन्होंने आवेदकों की लंबी लाइन देखी,जिसमें महिलाएं भी थीं। उन्होंने आवेदकों के सामने उनकी समस्या को समझी और कहा कि सर्वर डाउन होने की वजह से समस्या है उन्होंने कहा कि सभी लोग इंतजार करिए जैसे ही सर्वर चालू होगा सबका काम कराया जाएगा। यहां पर बिजली की भी समस्या है। हमने बिजली कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की है और उनसे अनुरोध किया है कि परिवहन कार्यालय इलाके में दोपहर 12 से लेकर 4 तक बिजली आपूर्ति बहाल रखी जाए ताकि आम जनता का काम सुचारू रूप से हो सके।

संजय श्रीवास्तव
आरटीओ सतना।

फुटपाथ दुकानदारों से अवैध वसूली बंद हो : बब्बल

सतना। मध्य भारत मोर्चा के जिला अध्यक्ष जसविंदर सिंह भाटिया बब्बल ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि शहर में कुछ अराजक तत्वों द्वारा नगरनिगम के कर्मचारी बताकर फुटपाथ की दुकानदारों से अवैध वसूली की जा रही है जिसे तत्काल बंद कराया जाए। श्री भाटिया ने बताया कि सिविल लाइन से लेकर जयस्तम्भ चौक सिमरिया चौक आदि स्थानों पर फुटपाथ पर धंधा करने वाले छोटे दुकानदारों से अराजक तत्व नगरनिगम के कर्मचारी बनकर 10 से लेकर 50 तक वसूली कर रहे हैं।जबकि इनके पास ना तो निगम सेकोई परमीशन है और ना ही लाइसेंस लेकिन यह फुटकर व्यवसाय कार्यवाही के डर से इसे बिना कुछ पूछे पैसे दे देते हैं। सारा दिन धूप पर खड़े होकर धंधा करने वाले कितनी मेहनत से पैसा कमाकर अपने परिवार चलते हैं। लेकिन यह तत्व उनकी मेहनत की कमाई यूं ही वसूल कर रहे हैं।

एकलव्य विद्यालय मार्ग पर शासकीय भूमियों पर अवैध कब्जा

मैहर। मां शारदा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था निरन्तर बढ़ रही है।यह बढ़ोतरी केवल आध्यात्मिक उन्मेष नहीं,बल्कि स्थानीय प्रशासन एवं मंदिर समिति के लिए एक बड़ी चुनौती भी बनती जा रही है। भीड़ प्रबंधन,यातायात नियंत्रण और आपदा से निपटने की तैयारियों का अभाव समय रहते गंभीर नीतिगत पहल की मांग कर रहा है। बताया जा रहा है कि तत्कालीन एसडीएम विनय कुमार जैन की दूरदृष्टि और योजना के अंतर्गत परिक्रमा पथ, आल्हा तालाब परिसर, नवग्रह वाटिका, नक्षत्र गार्डन जैसे स्थल विकसित किए गए थे। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य मुख्य मंदिर पर भीड़ का दबाव कम करते हुए श्रद्धालुओं को क्रमबद्ध दर्शन व्यवस्था देना था। इसके अतिरिक्त सूखा तालाब को एक वैकल्पिक बस स्टैंड के रूप में तैयार किया गया जो आज भी अपनी भूमिका निभा रहा है।

वर्तमान संकटः प्रशासनिक निष्क्रियता, भूमि घोटाले की आहट

मैहर की आज स्थिति यह है कि श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ चुकी है,किंतु व्यवस्था वहीं की वहीं ठहरी हुई है। सूखा तालाब के पीछे एकलव्य विद्यालय मार्ग के समीप एक बड़ सरकारी भूमि पड़ी है,जो वर्तमान में अघोषित रूप से भूमि व्यवसायियों की काली साजिश का शिकार बन रही है। बताया जा रहा है कि भू-स्वामी अपने हिस्से से अधिक रकबा रजिस्ट्री करवा चुके हैं और इस जमीन को निजी प्लॉटों के रूप में बेचने की प्रक्रिया तेज है। यह वही भूमि है जिसे यदि प्रशासनिक इच्छाशक्ति हो तो एक अतिरिक्त वाहन पार्किंग जोन के रूप में विकसित किया जा सकता है ताकि त्योहारी भीड़ नवरात्रि मेलों अथवा अन्य अवसरों पर होने वाली आपदा की संभावना को रोका जा सके।

तेंदूखेड़ा विधायक की गाड़ी को बोलेरो ने मारी टक्कर, विधायक सुरक्षित

सतना। जिले में तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक संजय शर्मा की गाड़ी को एक बोलेरो वाहन ने टक्कर मार दी। यह घटना चित्रकूट रोड में लवडेल स्कूल के सामने हुई, हालांकि दुर्घटना में विधायक संजय शर्मा पूरी तरह से सुरक्षित हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार,विधायक संजय शर्मा अपनी गाड़ी से प्रयागराज जा रहे थे,तभी एक तेज रफ्तार बोलेरो ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी को कुछ नुकसान पहुंचा है, लेकिन विधायक को किसी प्रकार की चोट नहीं आई है। सिविल लाइन थाना पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और बोलेरो चालक को हिरासत में ले लिया गया है। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण बोलेरो चालक की लापरवाही बताया जा रहा है। विधायक के सुरक्षित होने की खबर से उनके समर्थकों और क्षेत्र की जनता ने राहत की सांस ली है।

पत्रकारों को सम्मानित किया गया

मैहर। मां शारदा मंदिर के प्रांगण में स्थित यात्री क्रमांक 2 में भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की संगोष्ठी व वरिष्ठ पत्रकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. भगवान प्रसाद उपाध्याय रहे जब कि विशिष्ट अतिथि के रूप में देश दर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रदीप सिंह उपस्थित रहे। मध्य प्रदेश की धरा मैहर में मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष पुरुषोत्तम मिश्रा की अगुवाई में मध्य प्रदेश के पदाधिकारीयों का फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की संगोष्ठी व सम्मान समारोह में रीवा संभाग के पत्रकारगण उपस्थित रहे। रीवा संभाग के संभागीय अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पाठक,मैहर जिलाध्यक्ष जीएल चौरसिया एवं प्रांतीय मीडिया प्रभारी दिलीप त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ पत्रकारों के द्वारा संगोष्ठा पर अपने अपने विचार वयक्त किए गए। संगोष्ठी में वरिष्ठ पत्रकारों का मां शारदा का चित्र,शाल,नरियल एवं सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से गेंदालाल चौरसिया राम कुमार रजक आदिल खान विजय चौरसिया,रविन्द्र मंजू सर, अल्ताफ खान,सत्य प्रकाश कुशवाहा,बबलू रजक,अभिषेक तिवारीरमेश चौरसिया,संजय गौतम,रवि सोनी,सुनील दाहिया,विकास सोनी,अभिषेक सेन,डीआर विश्वकर्मा,मुकेश श्रीवास्तव,दिनेश शर्मा, राजमणि पाण्डे एवं महिला पत्रकार सहित रीवा संभाग के वरिष्ठ पत्रकार उपस्थित रहे।

किसान का घर गिराया, कंपनी और प्रशासन पर गंभीर आरोप

मैहर। मैहर के बदेरा थाना क्षेत्र अंतर्गत सड़ेरा गांव में लखन पटेल का घर जेसीबी से गिरा दिया गया। कार्रवाई तहसीलदार और थाना प्रभारी की मौजूदगी में की गई जिसमें आरसीसीपीएल कंपनी की संलिप्तता सामने आई है। किसान परिवार के लोगों ने आरोप लगाया कि बाउंसरों और पुलिस ने परिवार के सदस्यों से मारपीट की और जबरन घर से निकाल कर मकान तोड़ा गया। प्रशासनिक पक्ष केद्वारा मौखिक बताया गया कि वर्ष 2010 में कंपनी ने 9 एकड़ जमीन का मुआवजा लगभग 22 लाख रुपये दिया था, लेकिन किसान परिवार का कहना है कि यह राशि और पुनर्वास की शर्तें अस्पष्ट थीं। प्रशासन का कहना है कि राजस्व न्यायालय के आदेश का पालन किया गया लेकिन सवाल यह उठा है कि कंपनी के बाउंसर और सिक्योरिटी गार्ड किसके आदेश पर वहां पहुंचे। पीड़ित परिवार ने कार्रवाई को एकतरफा और अमानवीय बताया है।

'तमंचे की तानाशाही': युवाओं के हाथों में अवैध असलहे, शहर में दहशत

सतना। सतना इन दिनों अवैध हथियारों की तानाशाही की गिरफ्त में है,जहां युवा खुलेआम कट्टा और पिस्टल लेकर शहर में दहशत फैला रहे हैं। यह गंभीर स्थिति पुलिस और प्रशासन के लिए एक बड़ी चुनौती बन गई है कि आखिर यह अवैध असलहा सतना में कहां से आ रहा है? हाल के दिनों में शहर में गोलीबारी और हथियार लहराने की कई घटनाएं सामने आई हैं,जिससे आम जनता में भय का माहौल है। सोशल मीडिया पर भी ऐसे वीडियो और तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें नाबालिगों और युवाओं के हाथों में अवैध हथियार देखे जा सकते हैं। ये युवा इन हथियारों का इस्तेमाल दबंगई दिखाने, आपसी रंजिशों को निपटाने और छोटे-मोटे अपराधों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार,इन हथियारों की तस्करी पड़ोसी राज्यों और जिलों से हो रही है,जहां ये आसानी से उपलब्ध हैं। हालांकि,इसके पीछे के बड़े सिंडिकेट और सप्लाई चेन को तोड़ना अभी भी एक बड़ी चुनौती है। इन अवैध हथियारों के कारण शहर की शांति व्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है और युवाओं का भविष्य भी अंधकारमय हो रहा है। प्रशासन को इस खतरे से निपटने के लिए तत्काल और कठोर कदम उठाने की जरूरत है।

विकास के नाम कीचड़ भरी सड़कों पर चलना मुश्किल

मैहर। प्रदेश सरकार के द्वारा गांव गांव सड़क बनाकर सुगमतापूर्वक आवागमन की दुहाई दे रहा है वहीं गांवों में आज भी सड़क के नाम कीचड़ भरे रास्ते जहां से ग्रामीणों को गुजरना पड़ता है। आज स्कूल खुलने पर ग्रामीण बच्चें जब स्कूल की राह पकड़ते तो कीचड़ भरी सड़कों में चलना मुश्किल हो जाता है है और सड़क लोगों की मुसीबत बन गई है जहां पर छोटे-छोटे नौनिहाल कीचड़ से होकर करते है विद्यालय का सफर करते है। ऐसा ही मैहर में विकास की पोल खोलती तस्वीर दिखाई दे रहा है जिसमें छोटे-छोटे बच्चे कीचड़ से होकर विद्यालय तक का सफर करते हैं। स्कूल जाते

समय कई बच्चे कीचड़ में गिर जाते हैं जिससे उनके कपड़ें और किताबे तक खराब हो जाती है। मैहर के अमिलिया गांव का ये मामला बताया जा रहा है जहां पर लंबे समय से ग्रामीणजनों के द्वारा जिम्मेदारों से गांव की सड़क बनवाने गुहार लगाई जा रही है मगर आज तक ग्रामीणों को सड़क नहीं मिली जिसके चलते लोगों का जीवन दुश्वार हो रहा है। आज स्थिति यह है कि पानी गिरने के बाद ग्रामीण घरों में कैद होने के लिए मजबूर हो रहे हैं। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अमिलिया गांव की सड़क बनवाने की मांग की है।

खबर संक्षेप

बिजली गिरने से मौत

देवेंद्रनगर। देवेंद्रनगर क्षेत्र में आकाशीय बिजली एक बार फिर मौत बनकर गिरी। ग्राम बड़ा मुटवा निवासी डीलन सिंह यादव पिता हाकिम सिंह यादव (उम्र 38 वर्ष) की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। मृतक का शरीर बुरी तरह झुलस गया है। बताया गया है कि डीलन सिंह यादव कल सुबह से ही अपने घर से लापता थे। परिजनों द्वारा उनकी तलाश लगातार की जा रही थी। आज दोपहर उनका शव जंगल में मिला। मौके पर पहुँची पुलिस द्वारा शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया, जहाँ डॉक्टरों ने पुष्टि की कि मृत्यु का कारण आकाशीय बिजली है।

बरसात के पहले दिन भी हुई थी एक मौत- उल्लेखनीय है कि देवेंद्रनगर में बारिश की शुरुआत के पहले ही दिन भी आकाशीय बिजली गिरने से एक बुजुर्ग व्यक्ति की मृत्यु हो चुकी है। वह व्यक्ति बारिश से बचने के लिए एक आम के पेड़ के नीचे खड़ा हुआ था, तभी बिजली गिरने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

प्रशासन से राहत और सुरक्षा की माँग- लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से ग्रामीणों में भय और चिंता का माहौल है। क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रशासन से माँग की है कि बरसात के दौरान आकाशीय बिजली से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाया जाए, साथ ही मृतकों के परिजनों को त्वरित मुआवजा और सहायता राशि प्रदान की जाए।

विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने दुखी परिवारों को दी सान्त्वना

अमानगंज। क्षेत्र में हाल ही में घटित दुखद घटनाओं से पीड़ित परिवारों से मिलने क्षेत्रीय विधायक डॉ. राजेश वर्मा आज उनके निवास पर पहुंचे। उन्होंने शोक संतप्त परिजनों से मुलाकात कर उन्हें साहस बंधाया तथा दुख की इस घड़ी में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।डॉ. वर्मा ने कहा कि दुःख की इस घड़ी में वे और उनकी पूरी टीम पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने परिजनों की समस्याएं ध्यानपूर्वक सुनीं जिसमें जग्गू यादव, नयापुरा द्वारीरूप लाल पाल ,जसवंतपुरा तमगढ़मुन्ना वंशकार के पुत्र सुनील, महगवा सत्येंद्र बागरी की माता ,महंगवा सुरेश यादव, पिपरवाह संतोष यादव की माताजी, पिपरवाहअवध यादव के यहां माताजी, पिपरवाह पूर्व जनपद अध्यक्ष गुन्नौर सुनीता आदिवासी का स्वर्गवास.. चाका सिरीदासु आदिवासी..चाकामंगी आदिवासी चाका के यहां पहुंचे विधायक के इस मानवीय व्यौहार से परिवारों के साथ-साथ ग्रामीणों में भी संतोष का भाव देखा गया।

माधव आदिवासी को 11.95 कैरेट वजन का मिला हीरा

पन्ना। हीरा खदान क्षेत्र कृष्णा कल्याणपुर (पटी) में अस्थाई अनुज्ञा पत्र पट्टाधारी एवं हीरापुर टपरियन निवासी माधव आदिवासी को आज 11.95 कैरेट वजन का हीरा प्राप्त हुआ। यह उज्जवल किस्म का है। हीरा अधिकारी रवि पटेल द्वारा इस संबंध में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहने पर बीएलओ को नोटिस जारी

पन्ना। निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा प्रसारित निर्देशों के अनुक्रम में समस्त बीएलओ को आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत गत सोमवार को पवई विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय अमानगंज में आयोजित प्रशिक्षण में बगैर सूचना एवं आवेदन के अनुपस्थित रहने पर शासकीय उ.मा. विद्यालय पगरा में पदस्थ एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 51 के बीएलओ सुखदेव प्रसाद अहिरवार तथा शासकीय बालक उ.मा. विद्यालय अमानगंज में आयोजित प्रशिक्षण से अनुपस्थिति पर शासकीय हाईस्कूल रामपुर में पदस्थ एवं मतदान केन्द्र क्रमांक 2 के बीएलओ स्वामीदीन चतुर्वेदी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है।

दुनिया की सबसे उम्रदराज हथिनी वत्सला का निधन

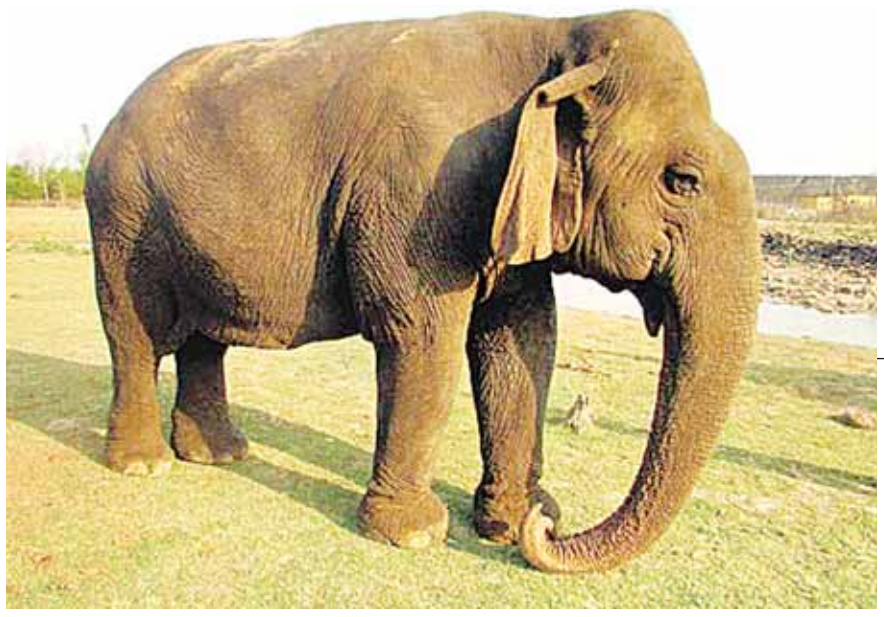

तीन दशक से भी अधिक समय तक पन्ना टाइगर रिजर्व की शान रही हथिनी वत्सला अब नहीं रही। पन्ना टाइगर रिजर्व में आने वाले पर्यटक व वन्य जीव प्रेमी दुनिया की इस सबसे बुजुर्ग हथिनी का दीदार जरूर करते थे। लेकिन अब ऐसा संभव नहीं हो सकेगा क्योंकि हिनौता हांथी कैम्प में वत्सला नजर नहीं आएगी।

पन्ना।

म.प्र. के पन्ना टाइगर रिजर्व की धरोहर तथा बीते कई दशक से पर्यटकों और वन्य जीव प्रेमियों के लिए आकर्षक का केंद्र रही दुनिया की सबसे उम्रदराज हथिनी वत्सला का आज दोपहर लगभग डेढ़ बजे हिनौता हांथी कैम्प के निकट निधन हो गया। पन्ना टाइगर रिजर्व के वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ. संजीव कुमार गुप्ता ने बताया कि हिनौता हांथी कैम्प के पास एक नरिया में वत्सला गिर गई थी, जो फिर उठ नहीं पाई। सौ वर्ष से भी अधिक उम्र की इस हथिनी की मौत से पन्ना टाइगर रिजर्व में जहाँ शोक का माहौल है वहीं वन्य जीव प्रेमी सहित पन्ना जिले के लोग भी दुखी हैं। शतायु पार कर चुकी हथिनी वत्सला की कहानी बेहद दिलचस्प तथा रहस्य व रोमांच से परिपूर्ण है। वत्सला मूलतः केरल के नीलांबुर फॉरेस्ट डिवीजन में पली-बढ़ी है। इसका प्रारंभिक जीवन नीलांबुर वन मंडल (केरल) में वनोपज परिवहन का कार्य करते हुए व्यतीत हुआ। इस हथिनी को 1971 में केरल से होशंगाबाद मध्यप्रदेश लाया गया, उस समय वत्सला की उम्र 50 वर्ष से अधिक थी। वत्सला को वर्ष 1993 में होशंगाबाद के बोरी अभ्यारण्य से पन्ना राष्ट्रीय उद्यान लाया गया, तभी से यह हथिनी यहां की पहचान बनी हुई है। विशेष गौरतलब बात यह है कि वत्सला की अधिक उम्र व सेहत को देखते हुए वर्ष 2003 में उसे रिटायर कर कार्य मुक्त कर दिया गया था। तब से किसी कार्य में उसका उपयोग नहीं किया गया। वत्सला का पाचन तंत्र भी कमजोर हो चुका था, इसलिए उसे विशेष भोजन दिया जाता रहा है। फरवरी वर्ष 2020 में वत्सला की दोनों आंखों में मोतियाबिंद हो जाने से उसे दिखाई भी नहीं देता था, फलस्वरुप चारा कटर मनीराम उसकी सूंड अथवा कान पकड़कर जंगल में घुमाने ले जाता था। बिना सहारे के वत्सला ज्यादा दूर तक नहीं चल सकती थी। हाथियों के कुनबे में शामिल छोटे बच्चे भी घूमने टहलने में वत्सला की पूरी मदद करते रहे हैं। वन्य प्राणी चिकित्सक डॉ एस. के. गुप्ता बताते हैं कि पन्ना टाइगर रिजर्व के ही नर हाथी रामबहादुर ने वर्ष 2003 और 2008 में दो बार प्राणघातक हमला कर वत्सला को बुरी तरह से घायल कर दिया था। डॉ गुप्ता ने बताया कि पन्ना टाइगर रिजर्व के मंडला परिक्षेत्र स्थित जूड़ी हाथी कैंप में नर हाथी रामबहादुर (42 वर्ष) ने मस्त के दौरान वत्सला के पेट पर जब हमला किया तो उसके दांत पेट में घुस गये। हाथी ने झटके के साथ सिर को ऊपर किया, जिससे वत्सला का पेट फट गया और उसकी आंतें बाहर निकल आईं। डॉ. गुप्ता ने 200 टांके 6 घंटे में लगाए तथा पूरे 9 महीने तक वत्सला का इलाज किया। समुचित देखरेख व बेहतर इलाज से अगस्त 2004 में वत्सला का घाव भर गया। लेकिन फरवरी 2008 में नर हाथी रामबहादुर ने दुबारा अपने टस्क (दाँत) से वत्सला हथिनी पर हमला करके गहरा घाव कर दिया, जो 6 माह तक चले उपचार से ठीक हुआ। हथिनी वत्सला अत्यधिक शांत और संवेदनशील थी। पन्ना टाइगर रिजर्व में हाथियों के कुनबे में बच्चों की देखभाल दादी मां की भांति करती रही है। कुनबे में जब कोई हथिनी बच्चे को जन्म देती है, तो वत्सला जन्म के समय एक कुशल दाई की भूमिका भी निभाती थी।

उफनती नदियों और नालों के बीच एसडीएम अजयगढ़ ने की लोगों से अपील -जान जोखिम में न डालें

अजयगढ़।

भारी बारिश के कारण अजयगढ़ क्षेत्र में नदियों और नालों का जलस्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। इस स्थिति को देखते हुए (क्ड) अजयगढ़ आलोक मार्को ने स्थानीय निवासियों से अपील की है कि वे उफनती नदियों और नालों के पास जाने या उन्हें पार करने का जोखिम न उठाएँक्ड ने कहा, ष्वर्तमान में नदियां और नाले उफान पर हैं, जो बेहद खतरनाक है। लोगों से अनुरोध है कि वे अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को प्राथमिकता दें। बिना जरूरी कारण के नदियों के किनारे न जाएं और पानी को पार करने की कोशिश न करें।ष् उन्होंने यह भी बताया कि जिला प्रशासन स्थिति पर नजर रखे हुए है और आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सतर्क रहने और निचले इलाकों में रहने वाले निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। साथ ही, आपातकालीन स्थिति में सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं।अजयगढ़ै क्ड आलोक मार्को ने यह भी आश्वासन दिया कि प्रशासन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्यों के लिए पूरी तरह तत्पर है।लोगों से अपील की गई है कि वे मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध स्थिति में तुरंत स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करें।

पवित्र नगर मंच पन्ना ने कलेक्टर का सम्मान किया, हरछठ और जन्माष्टमी पर्व के राज्य स्तरीय मेले में शामिल होने पर जताया हर्ष

पन्ना।

पवित्र नगर मंच पन्ना हरछठ एवं जन्माष्टमी पर पन्ना में आयोजित होने वाले उत्सव को राज्य स्तरीय मेला सूची में शामिल होने पर उत्साहित है। मंच की ओर से जिले वासियों की इस मांग के पूरे हो जाने पर कलेक्टर सुरेश कुमार से मिले सहयोग के प्रति आभार जताते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पवित्र नगर मंच पन्ना के संयोजक अध्यक्ष कैलाश मोदी ने कहा कि पन्ना के श्री बल्देव जी मंदिर में आयोजित हरछठ महोत्सव और पन्ना के श्री जुगल किशोर जी मंदिर में आयोजित जन्माष्टमी उत्सव का धार्मिक उत्सव के साथ ही ऐतिहासिक एवं प्राचीन महत्व रहा है। आयोजित दोनों उत्सव न केवल पन्ना, बल्कि बुंदेलखंड के श्रद्धालुओं के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। जिले के निवासियों की इच्छा थी कि हरछठ एवं जन्माष्टमी के महोत्सव के आयोजन को राज्य स्तरीय व राष्ट्रीय पहचान मिले। इस उद्देश्य से पवित्र नगर मंच पन्ना के संयोजन में नगर वासियों द्वारा 19 अगस्त 2022 से निरंतर अभियान चलाया गया। अभियान के पूर्ण होने में जिले के जनप्रतिनिधियों के साथ ही जिला प्रशासन का सराहनीय सहयोग मिला। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा बुंदेलखंड के गौरव दोनों पर्वों को राज्य स्तरीय मेला सूची में शामिल किए जाने के निर्देश जारी किए गए, जिसके परिणामस्वरूप दिनांक 19 फरवरी को शासन स्तर पर पन्ना में आयोजित हरछठ महोत्सव एवं जन्माष्टमी उत्सव को राज्य स्तरीय मेला सूची में शामिल किया जा चुका है। इससे पन्ना नगर के साथ ही जिले की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान समूचे देश में स्थापित होगी। साथ ही जिले में धार्मिक पर्यटन के विकास से रोजगार के अवसर भी निर्मित होंगे। कलेक्टर के सम्मान कार्यक्रम में कैलाश मोदी के साथ संरक्षक योगेंद्र शुक्ला, राजेंद्र यादव, वीरभानु धामी, जितेंद्र यादव, डॉ. केशव सम्राट मोदी, दिनेश कुमार अग्रवाल, रामहित साहू, उत्कर्ष गर्ग आदि मुख्य रूप से शामिल थे।

चाँद सिल्वर फॉल में युवक फिसल कर गिरा, रेस्क्यू टीम ने शव बरामद किया

पवई एसडीएम, पुलिस और नायब तहसीलदार मौके पर मौजूद रहे, इलाके में पसरा मातम कलेक्टर के आदेशों के बाद भी नहीं जागा प्रशासन हुई एक की मौत

पवई।

पवई के चर्चित पर्यटन स्थल चाँद सिल्वर फॉल में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। बाइक धोते समय पैर फिसलने से 19 वर्षीय युवक फॉल की गहराई में गिर गया। यह घटना सुबह करीब 10 बजे की बताई जा रही है। सूचना मिलते ही प्रशासन व पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची, वहीं एसडीआरएफ की टीम को पन्ना से बुलाकर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। जानकारी के अनुसार, धीरेन्द्र राजपूत पिता राजकुमार राजपूत, निवासी ग्राम जमुनिया थाना गुनौर (जिला पन्ना) अपने चार रिश्तेदारों के साथ पवई के धार्मिक स्थल हनुमान भाटे दर्शन के लिए आया था। दर्शन से पहले सबने कलेही धाम में पतने नदी में नहाने की बात की, लेकिन धीरेन्द्र नहीं माना और सबको लेकर चाँद सिल्वर फॉल पहुंच गया। वहां पर धीरेन्द्र ने नहाने के बजाय मोटरसाइकिल धोने के लिए उसे पानी के बहाव व काई लगी चट्टानों की ओर ले गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसने बाइक स्टैंड पर खड़ी की और जैसे ही झुककर बाइक धोने लगा, उसका पैर फिसल गया और वह गहरे फॉल में फिसल कर गिर गया। देखते ही देखते वह पानी में समा गया। घटना की सूचना पर एसडीएम समीक्षा जैन, नायब तहसीलदार शिवम गौतम और पवई थाना प्रभारी अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।घटनास्थल की स्थिति को देखते हुए एसडीएम समीक्षा जैन ने तुरंत एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया, जिसने एक घंटे की मशक्कत के बाद धीरेन्द्र का शव बरामद कर लिया। इधर घटना के बाद धीरेन्द्र के परिजन व साथी बदहवास हैं। पूरे क्षेत्र में शोक और दहशत का माहौल है। इस हादसे ने एक बार फिर चाँद सिल्वर फॉल पर सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है, और प्रशासन की लापरवाही पर सवाल खड़े कर दिए है।

गुनौर में पौधारोपण की खानापूर्ति

सूखे पौधों से हरे भरे होंगे डिवाइडर

बारिश के मौसम में डिवाइडर पर सूखे पौधे लगाना भ्रष्टाचार या ठेकेदार की दबंगई

गुनौर। विधानसभा क्षेत्र गुनौर के अंतर्गत सकरिया से डिघौरा मार्ग निर्माण में करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार साकरिया-डिघौरा सड़क निर्माण कार्य भी कागजों में लग-भग पूर्ण होने को है शहर के अन्दर बने डिवाइडरों में पौधे लगाने का काम शुरू हो चुका है, लेकिन हैरानी की बात है कि इन डिवाइडरों में छोटे छोटे सूखे हुए पौधे लगाए जा रहे हैं कई जगह तो डिवाइडर में मिट्टी भी नहीं डाली गई। इससे यह सवाल उठता है कि क्या पौधारोपण की खाना पूर्ति की जा रही है या वास्तव में शहर को हरा भरा एवं सुन्दर बनाने का उद्देश्य है? नागरिकों का आरोप है कि गुनौर विधानसभा में इस तरह के कार्यों के लिए ही जानी जाती है, जहां दिखावे के लिए काम किया जाता है। यह स्थिति पौधारोपण की अगर नगर मुख्यालय के बीच में है तो अन्य जगह किस तरह से होगी, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। लोगों का कहना है कि इससे शहर की सुंदरता और पर्यावरण पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ेगा। इससे शासकीय राशि का दुरुपयोग होगा एवं जनता का सरकारी कार्यों पर से विश्वास उठ सकता है। समाचार पत्रों के माध्यम से क्षेत्रीय लोगों की मांग हैं कि जिम्मेदार अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए और पौधारोपण के लिए उचित कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही, इस तरह के कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए।

श्री कृष्णा फेशन ने किया लकी ड्रॉ का आयोजन, मेधावी छात्रों को किया पुरस्कृत

विधायक डॉ राजेश वर्मा ने छात्रों को किया पुरस्कृत

विधायक ने शोकाकुल परिवारों के घर पहुंचकर की संवेदनाएं व्यक्त

अमानगंज

आज दिनांक 8 जुलाई मंगलवार को डॉ राजेश वर्मा द्वारा डॉ प्रशांत चतुर्वेदी की अगुआई में अमानगंज का दौरा किया,जहाँ क्षेत्र के मृत शोकाकुल परिवारों के घर-घर जाकर शोक संवेदना व्यक्त की। तत्पश्चात क्षेत्रीय विधायक डॉ राजेश वर्मा श्री कृष्णा फैशन हाउस द्वारा आयोजित लकी ड्रा कार्यक्रम में गहोई धर्मशाला अमानगंज में सम्मिलित हुए। यहां पर नगर के मेधावी छात्रों को प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार वितरित किए। पुरस्कार वितरण के उपरांत उन्होंने अपने उद्बोधन में क्षेत्र के विकास में डबल इंजन की सरकार को सराहा और कहा मध्यप्रदेश में मोदी और मोहन यादव जी की सरकार विकास की रफ्तार मे नित नए आयाम हासिल कर रही है, यदि कोई कमी बचे तो मुझे स्वयं सूचित करे हम आधी रात हर संभव प्रयास करके तत्परता से उस कार्य को पूरा करेंगे। विकास के राह मे कोई दिक्कत या समस्या नहीं आनी चाहिए, यदि कोई कार्य में बाधा या रोड़े अटकाता है तो उसपर तुरंत कार्यवाही का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम के अंत में डॉ राजेश वर्मा ने अमानगंज मंडल के सभी कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया और हमेशा साथ चलने का आवाहन किया। प्रवास कार्यक्रम के दौरान अमानगंज भाजपा मंडल अध्यक्ष डॉक्टर प्रशांत चतुर्वेदी सहित मंडल के सभी कार्यकारणी सदस्य, कार्यकर्ता, नगर वासियों के साथ पत्रकार गण उपस्थित रहे।

बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम के लिए निकाली जागरूकता रैली

पन्ना।

महिला एवं बाल विकास विभाग के तत्वाधान में बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम के उद्देश्य से आज पन्ना नगर के वार्ड क्रमांक 17, रानीगंज, गोविन्द चौक, बल्देव चौक एवं गुरूद्वारा के पास से होते हुए वृहद जागरूकता रैली निकाली गई। इस दौरान आमजनों से बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम की अपील की गई। साथ ही शिक्षा के महत्व के बारे में अवगत कराते हुए रैली के दौरान कार्यकर्ताओं द्वारा भिक्षा नहीं, शिक्षा दें के नारे भी लगाए गए। इस अवसर पर बाल विकास परियोजना अधिकारी पन्ना शहरी किरण खरे, संरक्षण अधिकारी इन्द्रजीत अहिरवार, पर्यवेक्षक अंजली गुप्ता, शिवम अरजरिया, अमित नायक, नंदनी दीक्षित सहित विभागीय स्टॉफ और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताएं भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि किशोर न्याय बालकों के देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 की धारा 76 के तहत किसी बालक से भीख मांगने अथवा मंगवाने पर 5 वर्ष के कारावास और एक लाख रूपए से दंडित करने का प्रावधान है। साथ ही किसी व्यक्ति द्वारा इस उद्देश्य से बालक को दिव्यांग करने पर 7 से 10 वर्ष के कारावास और 5 लाख रूपए जुर्माना का प्रावधान भी है। जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा जनसामान्य से भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए विभाग का सहयोग करने तथा इस संबंध में टोल फ्री नंबर 1098 पर सूचित करने का आग्रह भी किया गया है।

खबर संक्षेप

स्टेशन मास्टर के निर्माणाधीन मकान में की गई तोडफ़ोड़

अज्ञात लोगों पर आरोप, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

छतरपुर। शहर की बजरंग नगर कॉलोनी में एक स्टेशन मास्टर के निर्माणाधीन मकान की दीवारों को अज्ञात लोगों द्वारा रात के समय तोड़ दिए जाने की घटना सामने आई है। पीड़ित ने अपनी पत्नी के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की मांग की और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गुहार लगाई। निर्माणाधीन मकान के मालिक अखिलेश सोनी ने बताया कि वह सतना में स्टेशन मास्टर हैं और मूल रूप से बेलाताल, उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। अखिलेश ने बताया कि वे छतरपुर के बजरंग नगर में दीनदयाल पार्क के समीप अपना मकान बनवा रहे हैं। बीती रात अज्ञात लोगों ने उनके निर्माणाधीन मकान की दीवारों को गिरा दिया है। उन्होंने बताया कि छतरपुर में उनका किसी से कोई विवाद नहीं है, इस संबंध में उन्होंने सिविल लाइन थाने में शिकायत दर्ज की है। अखिलेश ने पुलिस से मांग की कि दोषियों का पता लगाया जाए और उनके नुकसान की भरपाई के लिए उचित कार्रवाई की जाए।

लगातार हो रही बारिश से उफान पर आए नदी-नाले

छतरपुर। जिले में पिछले 4-5 दिनों से हो रही तेज बारिश ने नदी-नालों को उफान पर ला दिया है। खेतों में पानी भर जाने से किसानों की बोवनी प्रभावित हो रही है, जिससे वे मायूस हैं। सोमवार रात से मंगलवार शाम तक कई बार तेज बारिश हुई, हालांकि दोपहर में कुछ देर के लिए धूप भी निकली। वहीं, शहरी इलाकों के लोग बारिश का आनंद ले रहे हैं।

गढ़ा गांव में आधी रात को धराशायी हुई ढाबे की दीवार

मलबे की चपेट में आने से महिला की मौत, करीब एक दर्जन घायल

छतरपुर।

बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ा में बागेश्वर धाम के पास बीती रात एक निजी ढाबे की दीवार ढहने से बड़ा हादसा हो गया। मलबे में दबने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि करीब एक दर्जन लोग घायल हुए। घायलों में 9 लोग उत्तर प्रदेश के, एक उत्तराखंड और दो पश्चिम बंगाल के निवासी हैं। चार गंभीर घायलों को जिला अस्पताल से ग्वालियर रेफर किया गया है, जबकि अन्य का इलाज छतरपुर जिला अस्पताल में चल रहा है। घायलों ने बताया कि वे सभी बागेश्वर धाम पर चल रहे गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होने के लिए आए थे। रात को ढाबे में रुके थे जहां तेज बारिश के कारण जर्जर दीवार गिर गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गढ़ा गांव में बागेश्वर धाम के पास सोमवार-मंगलवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे निजी ढाबे की दीवार ढह गई, जिसके मलबे में दबने से महिला अनीता देवी खरवार (40) पत्नी राजू की मौके पर ही मौत हो गई। वह उत्तर प्रदेश में मिर्जापुर जिले के अदलहाट गांव की रहने वाली थी। उनके परिजनों ने बताया कि वे गुरु पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होने के लिए बागेश्वर धाम आए थे। रात को जिस ढाबे में सोए, उसी ढाबे की दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर गिर गई। इस हादसे में अनीता के परिवार की पूनम देवी खरवार (38), प्रिया कुमारी खरवार (17), अंशिका कुमारी (18) और नामवर प्रसाद (42) भी घायल हुए हैं। इनके अलावा मुंशीलाल कश्यप (72, सैलानपुर, उ.प्र.), अरविंद कुमार पटेल (17, नारायणपुर, मिर्जापुर), गुलाबचंद साहू (55, हावड़ा, प.बंगाल) और धनेश्वरी देवी साहू (48, हावड़ा, प.बंगाल) भी घायल हुई हैं। ग्राम गढ़ा में प्राकृतिक आपदा से अचानक घटित हादसे की सूचना मिलने के बाद जिला प्रशासन ने सभी सक्रियता दिखाई। हादसे में घायल श्रद्धालुओं को तत्काल एंबुलेंस के माध्यम से जिला अस्पताल छतरपुर में भर्ती कराया गया। सीएमएचओ डॉ. आरपी गुप्ता और जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. शरद चौरसिया ने बताया कि चार गंभीर घायलों- वीना देवी कश्यप, मंजू देवी कुर्मी, कौशल सैनी और सचिन कश्यप को ग्वालियर के गजराराजा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जबकि 5 का इलाज छतरपुर जिला अस्पताल में चल रहा है।

तीन लोगों को मामूली चोटें थीं, जिन्हें इलाज के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है।

कलेक्टर-एसपी ने किया घटना स्थल का निरीक्षण -

कलेक्टर पार्थ जैसवाल और एसपी अगम जैन ने मंगलवार को ग्राम गढ़ा स्थित बागेश्वर धाम पहुंचकर कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। कलेक्टर ने एसडीएम को निर्देश दिए कि जीर्णशीर्ण भवनों को तत्काल डिस्मेंटल करने के कार्यवाही शुरू करें। कलेक्टर ने भीड़ नियंत्रण के संबंध में भी आवश्यक वेरीकेडिंग करने एवं व्यवस्थित प्रवेश और निकास द्वारा बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य सुरक्षा अधिकारी को खाद्य पदार्थों के लगातार नमूने एकत्रित कर जांच हेतु लैब भेजने के निर्देश दिए। साथ ही विद्युत विभाग को अवैध रूप से लगी बिजली लाइन को काटने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने अमानक स्तर के सिलेंडर पाए जाने पर दुकानों को भी तत्काल सील करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बारिश के कारण हुए घटना स्थल सहित कथा स्थल एवं मंच का भी निरीक्षण किया। एसपी श्री जैन ने कार्यक्रम कथा स्थल में भीड़ नियंत्रण के लिए आवश्यक पुलिस बल तैनाती और आपात स्थिति में निकास द्वार के चिन्हांकन करने के निर्देश दिए। साथ ही लॉ एंड ऑर्डर के संबंध में एसडीओपी को निर्देश दिए गए। अधिकारियों द्वारा बागेश्वर धाम के प्रतिनिधि को भीड़ नियंत्रण के लिए अपने सेवादारों को लगाकर आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के संबंध में भी निर्देशित किया। इस दौरान सहायक कलेक्टर आशीष पाटिल, एसडीएम प्रशांत अग्रवाल, सीईओ, एसडीओपी सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस और प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही: एक होम स्टे सील, अन्य पर चल रहा बुलडोजर

छतरपुर। बमीठा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गढ़ा में बने होमस्टे के हादसे से प्रशासन और पुलिस एक्टिव मोड में आ गई है। मंगलवार को कलेक्टर एवं एसपी दे मौके पर जाकर अन्य अधिकारियों के माध्यम से निरीक्षण कराया और गैर कानूनी ढंग से बने होमस्टे को गिराने के निर्देश दिए। एक होमस्टे सील कर दिया गया है। निरीक्षण में तीन घरेलू गैस सिलेंडर भी जप्त किए गए हैं। मानकों को दरकिनार कर बने होमस्टे गिराए जा रहे हैं।जानकारी के मुताबिक भारी बारिश और आसपास कहीं बिजली के गिरने की धमक से एक ढावे की दीवार गिर गई जिससे उसमें करीब एक दर्जन लोग दब गए। इस हादसे में एक महिला की मौत हो गई अन्य लोग घायल हो गये। इस घटना के बाद कलेक्टर पार्थ जायसवाल और एसपी आगम जैन गढ़ा पहुंचे जहां उन्होंने होम स्टेट की जांच करवाई। जांच के दौरान कई होम स्टे मानको के अनुरूप नहीं मिले, जिन्हें गिराने के आदेश दिए गए। देर शाम प्रशासन की जेसीबी ने होमस्टे गिराने शुरू कर दिए। निरीक्षण के दौरान राजेंद्र सिंह घोष के होम स्टे को राधेश्याम चौरसिया किराए पर संचालित कर रहे थे इसमें कमी पाए जाने पर सील कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान राजनगर एसडीएम प्रशांत अग्रवाल, खजुराहो एसडीओ की नवीन दुबे, नौगांव एसडीओपी अमित मेश्राम, जनपद सीईओ राकेश शुक्ला, तहसीलदार धीरज गौतम, एमपीईबी, खाद्य विभाग के अधिकारियों के अलावा ग्राम पंचायत के सचिव और पटवारी उपस्थित रहे।

बकस्वाहा सांदीपनी सीएम राइज स्कूल में प्राचार्य का शर्मनाक कारनामा

विद्यालय के बाथरूम में लगा मिला सीसीटीवी कैमरा

छतरपुर। शासकीय सांदीपनी सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बकस्वाहा के प्राचार्य का शर्मनाक कारनामा सामने आया है। दरअसल उक्त विद्यालय के बाथरूम में सीसीटीवी कैमरा लगा पाया गया है, जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस सनसनीखेज मामले ने स्कूल प्रशासन और प्राचार्य की मंशा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आरोप है कि प्राचार्य ने बच्चों के आपत्तिजनक वीडियो बनाने की मंशा से यह कदम उठाया, जिससे अभिभावकों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। बहरहाल कमिश्नर ने इस पूरे मामले को संज्ञान में लेकर कलेक्टर को जांच के निर्देश दिए हैं। वहीं कलेक्टर ने तत्काल बकस्वाहा तहसीलदार को मौके पर भेजकर जांच कराई है। इसके अलावा जिला शिक्षा अधिकारी ने भी प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस भेजकर तुरंत जवाब मांगा है।

यह है पूरा मामला -

प्राप्त जानकारी के मुताबिकक मंगलवार को शासकीय सांदीपनी सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बकस्वाहा का एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें स्कूल के बालक शौचालय में सीसीटीवी कैमरा लगा दिखा रहा है। जैसे ही यह मामला कमिश्नर अनिल सुचारी के संज्ञान में आया, उन्होंने तत्काल छतरपुर कलेक्टर पार्थ जैसवाल को जांच के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री जैसवाल ने बकस्वाहा तहसीलदार भरत पांडे को प्रशासनिक अमले के साथ घटनास्थल पर भेजा, जहां जांच में बाथरूम के अंदर वास्तव में सीसीटीवी कैमरा लगा पाया गया, हालांकि मामला उजागर होने के बाद किसी ने आनन-फानन में कैमरे के वायर काट दिए थे। जांच प्रतिवेदन में इस तथ्य का स्पष्ट उल्लेख किया गया है। गौरतलब है कि प्राचार्य राजेंद्र कुमार ताम्रकार पर न केवल नियमों की अवहेलना का आरोप है, बल्कि उनकी मंशा पर भी सवाल उठ रहे हैं। शौचालय जैसे निजी स्थान में कैमरा लगाना न केवल गोपनीयता का उल्लंघन है, बल्कि यह बच्चों की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। स्थानीय लोगों और अभिभावकों का कहना है कि प्राचार्य ने यह कदम जानबूझकर उठाया, जिसके पीछे उनकी अनैतिक मंशा हो सकती है। स्कूल जैसे संवेदनशील स्थान पर इस तरह का कृत्य न केवल प्राचार्य की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है, बल्कि शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी गंभीर आघात है। बहरहाल जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने स्पष्ट किया कि जांच पूरी होने तक कोई ढिलाई नहीं बरती जाएगी। सूत्रों के अनुसार, यदि प्राचार्य का जवाब असंतोषजनक रहा तो निलंबन और आपराधिक जांच की संभावना है। साथ ही, स्कूल में अन्य संभावित अनियमितताओं की भी जांच की मांग उठ रही है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने कारण बताओ नोटिस भेजकर मांगा जवाब -

वहीं कलेक्टर पार्थ जैसवाल के निर्देश पर प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी आर.पी. प्रजापति ने प्राचार्य राजेंद्र कुमार ताम्रकार को 8 जुलाई 2025 को कारण बताओ नोटिस जारी किया। नोटिस (पत्र क्रमांक 6284/स्था.1/का.व.सू.पत्र/2025) में स्पष्ट किया गया कि शौचालय में कैमरा लगाना नियमों के खिलाफ है। प्राचार्य से पूछा गया कि किसके आदेश से कैमरा लगवाया गया और उन्हें उसी दिन अपना जवाब प्रस्तुत करने को कहा गया। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि प्राचार्य का जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया या समय पर जवाब नहीं दिया गया, तो उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को भेजा जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई की है, लेकिन अभिभावकों का कहना है कि केवल नोटिस पर्याप्त नहीं, प्राचार्य को तत्काल निलंबित कर आपराधिक जांच शुरू की जानी चाहिए। जारी नोटिस में कहा गया है कि - आपके द्वारा संस्था के शौचालयों में कैमरा लगाए गए हैं, जो नियमों के प्रतिकूल है। शौचालय में कैमरा किसके आदेश से लगवाए गए? आप आज ही अपना प्रतिवाद प्रस्तुत करें, अन्यथा अनुशासनात्मक कार्रवाई का प्रस्ताव वरिष्ठ कार्यालय को प्रेषित किया जाएगा, जिसका उत्तरदायित्व आपका होगा।

प्राचार्य का दावा: बाथरूम में लगाए गए हैं डमी सीसीटीवी

इस मामले में प्राचार्य राजेंद्र कुमार ताम्रकार ने बकस्वाहा के शासकीय सांदीपनी सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में बाथरूम में सीसीटीवी कैमरा लगाने के विवाद पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष बालक शौचालय में नए उपकरण लगाए गए थे, लेकिन बच्चों ने तोडफ़ोड़ की। इसे रोकने के लिए डमी कैमरे लगाए गए ताकि बच्चों में डर बना रहे और शौचालय की संपत्ति सुरक्षित रहे। ताम्रकार ने दावा किया कि इस कदम से सकारात्मक परिणाम मिले हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि डीवीआर में केवल 16 कैमरों की रिकॉर्डिंग है, जिसमें बाथरूम का कैमरा शामिल नहीं है, और जांच के लिए डीवीआर उपलब्ध है।

बकस्वाहा तहसीलदार ने कहा- बालक शौचालय में मिले कैमरे, वायर कनेक्शन गायब

बकस्वाहा तहसीलदार भरत पांडे ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर शासकीय सांदीपनी सीएम राइज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में जांच की गई। जांच दल ने प्रथम और द्वितीय तल के बालक शौचालयों में कैमरे पाए गए हैं लेकिन इनका वायर कनेक्शन नहीं मिला। तहसीलदार ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे की कार्रवाई जांच निष्कर्षों के आधार पर होगी।

आम रास्ता खुलवाने के लिए फिर से कलेक्टर के पास पहुंचे सिंहपुर के ग्रामीण

तहसीलदार पर लगाया प्रभावशाली लोगों के सामने नतमस्तक होने का आरोप

छतरपुर। महाराजपुर तहसील के ग्राम सिंहपुर में आम रास्ते को अवरुद्ध किए जाने से परेशान ग्रामीणों ने मंगलवार को एक बार फिर कलेक्टर की जनसुनवाई में आवेदन देकर रास्ता खुलवाने की मांग की। इस दौरान ग्रामीणों ने तहसीलदार सहित प्रशासन पर लापरवाही करने और और प्रभावशाली लोगों के सामने नतमस्तक होने का आरोप लगाया। सिंहपुर के किसान नृपत राजपूत, रुपसिंह राजपूत, तेजसिंह राजपूत, प्रेमशंकर, मलखान, मुन्नालाल, रामपाल आदि बताया कि शासकीय नक्शे में दर्ज आम रास्ता पिछले चार महीनों से पटवारी राजेंद्र प्रसाद राजपूत और पंचायत सचिव रामसिंह राजपूत द्वारा बंद किया गया है। उनका आरोप है कि पटवारी राजेंद्र प्रसाद राजपूत और पंचायत सचिव रामसिंह राजपूत के आगे प्रशासन चुप्पी साधे हुए है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने दो बार जनसुनवाई में और तीन बार तहसीलदार को आवेदन दिया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत की गई लेकिन यहां से भी निराशा हाथ लगी। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने रास्ता नहीं खुलवाया, तो वे स्वयं रास्ता खोलेंगे और इस दौरान किसी विवाद की जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

थरा गांव के ग्रामीणों की भी यही समस्या

वहीं छतरपुर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम थरा के ग्रामीणों ने भी जनसुनवाई में इसी तरह की समस्या को लेकर ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि वे उनके खेतों तक पहुंचने के लिए वर्षों से एक आम रास्ते का उपयोग हो रहा है। इस रास्ते से ग्रामीण खेती के लिए अपने खेतों तक जाते हैं। हालांकि, दबंगों ने पटवारी की मिलीभगत से इस रास्ते को निजी भूमि में दर्शाने की कोशिश की और इसे बंद कर दिया। इससे ग्रामीण अपने खेतों तक नहीं पहुंच पा रहे, जिसके चलते उनकी खेती बिना बुवाई के बंजर पड़ी है। ग्रामीणों ने बताया कि जब वे इस रास्ते से निकलने की कोशिश करते हैं, तो दबंग उन्हें मारने की धमकी देते हैं। पहले भी एक अन्य रास्ता था, जिसे दबंगों ने बंद कर दिया, जिसके कारण ग्रामीण अपने पशुओं को खेतों तक नहीं ले जा पा रहे और पशु चार दिनों से बंधे हुए हैं। ग्रामीणों ने कलेक्टर से रास्ता खुलवाने और दबंगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

एसपी के पास पहुंचे दंपत्ति ने लगाया बेटी के अपहरण का आरोप

एसपी से लगाई न्याय की गुहार, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

छतरपुर। गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के रहने वाले दंपत्ति ने मंगलवार को अपनी नाबालिग लड़की का अपहरण किए जाने के आरोप लगाए हैं। उनका यह भी कहना है कि पुलिस ने आरोपियों से सांठ-गांठ कर ली है, जिस कारण कार्रवाई नहीं हो रही। एसपी कार्यालय में आवेदन देकर सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। चूंकि आवेदन देने आए दंपत्ति कार्यालय तक दंड भरते हुए (जमीन पर लेट-लेटकर) पहुंचे थे इसलिए सभी का ध्यान उनकी ओर गया। गढ़ीमलहरा निवासी पीड़ित पिता ने बताया कि उनकी 17 साल 9 महीने की बेटी का अपहरण 22 और 23 मई की दरमियानी रात को हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया कि अपहरण से एक दिन पहले मोहल्ले के दबंग रमन पुत्र कमलापत प्रजापति, सुरेश पुत्र भवानीदीन प्रजापति, छोटू पुत्र ज्ञानी प्रजापति और भागचंद पुत्र भवानीदीन प्रजापति ने हथियार और कट्टा लेकर उनके घर पर गाली-गलौज की और धमकी दी थी। अगली सुबह, जब वह महोबा में रिश्तेदारी के एक कार्यक्रम में गए थे तब उनके बेटे ने फोन कर बताया कि बहन का अपहरण कर लिया गया है। लौटने के बाद पीड़ित ने गढ़ीमलहरा थाने में शिकायत दर्ज कराने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने आरोपियों के नाम शामिल नहीं किए और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। पीड़ित का कहना है कि पुलिस ने कोरे कागजों पर उनके हस्ताक्षर करवाए और डेढ़ महीने बीत जाने के बावजूद उनकी बेटी का कोई पता नहीं चला है। पीड़ित ने बताया कि दबंग उनकी बेटी को लेकर फरार हैं और उनके बेटे मनीष को भी जान से मारने और अपहरण की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित दंपत्ति ने अपनी बेटी की बरामदगी और दबंगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गुहार लगाई है।

नदी में डूबने से किशोर की मौत

छतरपुर।

महाराजपुर थाना क्षेत्र में रविवार सुबह एक दुखद हादसे में 13 वर्षीय किशोर की नदी में डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद गांव में मातम का माहौल है, और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनसार महाराजपुर थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत सैला के निवासी लवकुश उर्फ कृष पटेल पुत्र लक्ष्मी पटेल, सुबह करीब 8 बजे नदी में नहाने गए था, जहां गहरे पानी में डूब गया। जब किशोर घर नहीं लौटा, तो परिजनों ने आसपास और मोहल्ले में उसकी खोजबीन शुरू की। चार घंटे की तलाश के बाद नदी के घाट पर किशोर के चप्पल और कपड़े दिखाई दिए। नदी में डूबने की आशंका पर गांव के चार-पांच लोगों ने पानी में उतरकर रेस्क्यू शुरू किया, जहां किशोर का शव बरामद हुआ। सूचना मिलने पर महाराजपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा तैयार किया। शव को महाराजपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया।

पांच साल से विद्युत आपूर्ति की किल्लत से जूझ रहे ग्रामीण

छतरपुर। जिला मुख्यालय से करीब 100 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम सोरखी के ग्रामीण पिछले करीब 5 वर्षों से विद्युत आपूर्ति की किल्लत से जूझ रहे हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सुजारा बांध निर्माण के दौरान किए गए विस्थापन के बाद से बिजली की समस्या बरकरार है, जिससे उनका दैनिक जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि विस्थापन के दौरान गांव को हटाया गया था, लेकिन करीब 50 परिवार अभी भी वहीं रह रहे हैं। उन्हें डेढ़ किलोमीटर दूर से बिजली का कनेक्शन लेना पड़ता है, जिस पर विभागीय अधिकारी आपत्ति जताते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि कुछ लोग 100 किलोमीटर दूर से ज्ञापन देने आए थे, लेकिन समय अधिक हो जाने के कारण वे इसे सौंप नहीं सके। ग्रामीणों ने कलेक्टर से बिजली आपूर्ति की स्थायी व्यवस्था और विभागीय अधिकारियों की आपत्तियों को दूर करने की मांग की है।

खबर संक्षेप

कृषि विकास संबंधी कार्यशाला 17 जुलाई को

रीवा । मध्यप्रदेश राज्य कृषि विपणन मण्डी बोर्ड द्वारा कृषि अवसंरचना निधि की निगरानी के लिए प्रत्येक जिले में कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किया गया है। इस समिति में कृषि, सहकारिता, उद्यानिकी, पशुपालन, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम, मध्यप्रदेश आजीविका मिशन, मछली पालन विभाग के अधिकारियों को शामिल किया गया है। इनको संभागीय प्रशिक्षण कार्यशाला 17 जुलाई को आयोजित की जा रही है। इसमें संभाग के सभी जिलों के संबंधित विभागों के लगभग दो सौ अधिकारी शामिल होंगे। कमिश्नर बीएस जामोद ने कृषि अवसंरचना निधि से जुड़े विभागों के अधिकारियों को कार्यशाला में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

अवैध कॉलोनियों पर सख्ती, लापरवाही पर उपयंत्री निलंबित

रीवा। नगर निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे ने सोमवार को निगम सभागार में समय-सीमा पत्रों (टी.एल.) की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने अवैध कॉलोनियों, निर्माण कार्यों, सीएम हेल्पलाइन, माई रीवा ऐप एवं सोशल मीडिया से प्राप्त शिकायतों की गहन समीक्षा कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायतों का समयबद्ध निराकरण प्राथमिकता से किया जाए। आयुक्त ने जोनवार सभी अप्रारंभ निर्माण कार्यों को तीन दिवस के भीतर शुरू करने के निर्देश दिए। सड़कों पर अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने कहा कि निगम की दुकानों के बाहर फैलाए गए सामान को तत्काल हटाया जाए और संबंधित दुकानदारों को दुकान निरस्ती की नोटिस जारी की जाए। पुनरावृत्ति की स्थिति में दुकान को सील करने की कार्रवाई की जाएगी। अवैध कॉलोनियों पर की जा रही कार्रवाई में लापरवाही बरतने पर जोन क्रमांक एक के उपयंत्री हरेराम मिश्र को निलंबित कर दिया है। एफआईआर दर्ज करने में उपयंत्री ने मनमानी की थी, जिसकी शिकायत के बाद जांच में स्पष्ट हुआ और कार्रवाई की गई। डॉ. सोनवणे ने अवैध कॉलोनियों को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए निर्देश दिए कि इन पर एफआईआर दर्ज कर विधिवत ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाए। जोन-04 में संतोषजनक कार्रवाई न होने पर कार्यपालन यंत्री, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री को नोटिस देने के निर्देश जारी किए गए। निगम क्षेत्र में जर्जर एवं भयप्रद भवनों को लेकर आयुक्त ने तत्काल सर्वे कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस कार्य में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी, जिससे किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके। शहर में घूमते निराश्रित पशुओं की समस्या पर आयुक्त ने अभियान जारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की सुरक्षा के लिए यह कार्रवाई लगातार होनी चाहिए। वैध कॉलोनियों से कॉलोनी विकास शुल्क की वसूली में अपेक्षित प्रगति न होने पर कैंप लगाकर राशि वसूलने के निर्देश भी बैठक में दिए गए। बैठक में उपायुक्त प्रकाश द्विवेदी, एमएस सिद्दीकी, कार्यपालन यंत्री एच.के. त्रिपाठी, राजेश सिंह, सहायक आयुक्त शीतल भलावी, रामनरेश तिवारी, के.एन. साकेत, एस.के. गर्ग, पी.एन. शुक्ला, राजेश मिश्रा, अम्बरीश सिंह, अभिनव चतुर्वेदी, सहायक राजस्व अधिकारी राजेन्द्र सिंह, नीलेश चतुर्वेदी, स्वास्थ्य अधिकारी बालगोविन्द चतुर्वेदी, मुरारी कुमार, सिटी मिशन मैनेजर अभिमन्यु सिंह सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।स्वच्छता सफाई व्यवस्था में सुधार के निर्देशआयुक्त ने रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था पर असंतोष जताते हुए कहा कि इसे दुरुस्त किया जाए। सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे प्रतिदिन प्रातः भ्रमण कर स्वच्छता व्यवस्था का निरीक्षण करें और आवश्यकता अनुसार तुरंत सुधार करें।

जनसुनवाई में 136 आवेदकों के आवेदनों में की गई सुनवाई

रीवा । कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आमजनता के आवेदन पत्रों के निराकरण के लिए जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर, अपर कलेक्टर श्रीमती सपना त्रिपाठी तथा डिप्टी कलेक्टर आरके सिन्हा ने आमजनता के 136 आवेदन पत्रों में सुनवाई की। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि सभी अधिकारी जनसुनवाई के आवेदन पत्रों का संवेदनशीलता से निराकरण करके सात दिवस में प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आवेदक को भी आवेदन पत्र में की गई कार्यवाही से अवगत कराएं। जनसुनवाई में गोलू बसदेवा निवासी नगर परिषद बैकुंठपुर ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ देने के लिए भूमि आवंटन का आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने नायब तहसीलदार बैकुंठपुर को प्रकरण में कार्यवाही के निर्देश दिए। शिवम मिश्रा निवासी ग्राम देवरी जिला सतना ने विन्ध्य टेलीफिल्स लिमिटेड कंपनी में कार्यरत उनके पिता गोकरण प्रसाद मिश्रा की मृत्यु के बाद अनुकंपा नियुक्ति देने तथा अन्य हितलाभ प्रदान करने के लिए आवेदन दिया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने जिला श्रम पदाधिकारी को आवेदन का निराकरण करने के निर्देश दिए।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का उग्र प्रदर्शन, डीन ऑफिस का घेराव

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में बवाल, छात्राओं से दुर्व्यवहार का आरोप

रीवा

श्याम शाह मेडिकल कॉलेज में मंगलवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब ईएनटी विभाग के वरिष्ठ डॉक्टर अशरफ खान पर नर्सिंग छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए। छात्राओं ने डॉक्टर पर लैंगिक उत्पीड़न, अभद्र व्यवहार और मानसिक प्रताड़ना जैसे गंभीर आरोप लगाते हुए सामूहिक शिकायत दर्ज कराई है। इस घटनाक्रम के बाद अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और जूनियर डॉक्टरों ने मिलकर डीन कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया। बताया जा रहा है कि करीब 80 नर्सिंग छात्राओं ने डॉक्टर अशरफ के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई है। मामला उजागर होते ही कॉलेज प्रशासन ने गंभीर रुख अपनाते हुए जांच के आदेश दे दिए हैं। वहीं, छात्राओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राचार्य ने फिलहाल के लिए डॉक्टर को वार्ड में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। मंगलवार को जैसे ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को पूरे मामले की जानकारी मिली, संगठन के छात्र कार्यकर्ता मेडिकल कॉलेज

पहुंचे और डीन डॉ. सुनील अग्रवाल के चेंबर का घेराव कर लिया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं का आरोप है कि डीन ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया और इस दौरान कॉलेज के सुरक्षा कर्मियों द्वारा कार्यकर्ताओं के साथ धक्का-मुक्की भी की गई, जिससे मामला और भड़क गया। प्रदर्शनकारियों ने ईएनटी विभाग के डॉक्टर अशरफ को तत्काल निलंबित करने की मांग करते हुए जोरदार नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति तनावपूर्ण होने पर प्रशासन को भारी पुलिस बल बुलाना पड़ा। मौके पर तहसीलदार सहित कई प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे और हालात को संभालने की कोशिश की। हंगामे के दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं के साथ मेडिकल कॉलेज के कई पीजी

छात्र और नर्सिंग छात्राएं भी डीन कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए। प्रदर्शनकारी 'डॉ. अशरफ को बर्खास्त करो, छात्राओं को न्याय दो', जैसे नारे लगाते रहे। डीन को बाहर बुलाने की मांग करते हुए छात्र-छात्राओं ने साफ कहा कि जब तक आरोपी डॉक्टर पर कड़ी कार्यवाही नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।वहीं, कॉलेज प्रशासन ने कहा है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच समिति गठित की जा रही है और सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच की जाएगी। डीन डॉ. सुनील अग्रवाल ने आश्वासन दिया है कि छात्राओं की सुरक्षा सर्वोपरि है और जांच के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।बॉक्सडॉ. अशरफ का पुराना विवादित इतिहास और जांच पर सवालजानकारी के अनुसार, डॉ. अशरफ पहले भी विवादों में रह चुके हैं। उन पर कॉलेज में पढ़ने वाले छात्रों पर दबाव बनाने और उनसे गुड मॉर्निंग और गुड इवनिंग की जगह धार्मिक रूप से अभिवादन करने की बात कहने के आरोप लग चुके हैं। इसके अलावा, वह इलाज के दौरान मरीजों को इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भेजने के मामले में भी उलझ गए थे। वहीं, दूसरी ओर, इस पूरे मामले की जांच की निष्पक्षता पर भी सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों की मानें तो डीन द्वारा गठित जांच टीम डॉ. अशरफ के पक्ष में ही खड़ी होती दिख रही है। छात्राओं द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों को हल्के में लिया जा रहा है और उन्हें केवल ₹एक टीचर की तरह ट्रीट करने₹ की बात कही जा रही है। इससे जांच की निष्पक्षता पर गंभीर संदेह पैदा हो गया है, खासकर तब जब इसी ईएनटी विभाग में कुछ दिनों पहले एक नाबालिग से छेड़छाड़ का मामला भी सामने आया था, जिसकी जांच अभी भी जारी है।

कौन होगा जिला कांग्रेस का मुखिया, कवायद हुई तेज, चर्चाओं का बाजार गर्म पर्यवेक्षकों की दो दौर की बैठकें पूरी

अब दिल्ली के दरबार से टकटकी लगाए बैठे हैं दावेदार

रीवा। कांग्रेस पार्टी के नए जिला अध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर जहां हर जगह पूरे प्रदेश में कांग्रेस की राजनीतिक सरगर्मियां तेज है वही राजनीति का गढ़ कहे जाने वाले विंध्य क्षेत्र का मुख्यालय रीवा जिला भी इससे अछूता नहीं है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों का दो बार रीवा जिले का दौरा हो चुका है प्रत्येक विधानसभा में बैठक भी हो चुकी हैं जिला के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं सभी मोर्चा संगठन के पदाधिकारियों से वन टू वन चर्चाएं भी हो चुकी हैं, अब इंतजार इस बात का है कि आखिर जिला कांग्रेस की बागडोर किस हाथ में जाएगी। जहां अगर दावेदारों की बात की जाए तो उनकी सूची लंबी है चाहे ग्रामीण जिला अध्यक्ष की बात हो अथवा शहर अध्यक्ष की दावेदारी देखकर तो यह लगने लगा है कि कांग्रेस पार्टी में अब कार्यकर्ता बचे ही नहीं है सब वरिष्ठ नेता बन गए हैं, लोगों का सवाल उठाना वाजिब है कभी कांग्रेस पार्टी का गढ़ कहे जाने वाला रीवा जिला में कमजोर पड़ी कांग्रेस पार्टी को कैसे मजबूत किया जाएगा यह एक विचारणीय एवं सोचनीय प्रश्न है, हालांकि पर्यवेक्षकों के समक्ष सभी दावेदारों ने अपनी मंशा जाहिर की है बड़े-बड़े दावे किए हैं कि हम संगठन को कैसे मजबूत करेंगे, पार्टी में एकजुट लाएगें और पंचायत स्तर तक संगठन को खड़ा करेंगे। किसी ने दावा किया कि हम जिला

कांग्रेस कमेटी का कार्यालय बनाएंगे तो किसी ने आर्थिक सहयोग की भी बात की किसी ने जातिगत आधार बनाया तो किसी ने जाति को ही आधार बनाया, किसी ने एक जुटता की बात की तो वही किसी ने गुटबाजी खत्म करने का दावा किया। अब देखना यह है कि जिला कांग्रेस की बगिया का नया माली कौन होगा जो सींचकर उसे हरा-भरा करेगा। पुराने दिन (स्व.अर्जुन सिंह- स्व. श्रीनिवास तिवारी का दौर) वापस आएगा । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राहुल गांधी के मंशा के अनुसार नया जिला अध्यक्ष युवा,शिक्षित, संपन्न और संगठन क्षमता वाला होना चाहिए जिसके अंदर सभी को साथ में लेकर चलने की काबिलियत हो उसी को जिला अध्यक्ष का पद नवाजा जाए लेकिन रीवा जिले में दावेदारों की भीड़ को देखकर यह नहीं लग रहा कि इन निर्देशों का पालन होगा, बहरहाल चयन की प्रक्रिया जारी है, छह लोगों का पैनल बनाया जाएगा जिसमें सभी वर्ग के दावेदार शामिल होंगे अंतिम निर्णय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को करना है। बॉक्स कौन - कौन है दावेदार वर्तमान ग्रामीण जिला अध्यक्ष इंजी राजेंद्र शर्मा, रमाशंकर सिंह पटेल, धर्मेंद्र तिवारी बब्बुल, गिरिजेश पाण्डेय, संदीप पटेल, कुंवर सिंह पटेल, दिलीप सिंह, कविता पाण्डेय, डॉ प्रतिभा सिंह सहित अन्य कई लोगों ने अपनी दावेदारी पेश की है,वही शहर अध्यक्ष की बात की जाए इसमें भी दावेदारों की सूची लंबी है मुख्यरूप से लखनलाल खंडेलवाल, धनेंद्र सिंह बघेल, मनीष नामदेव, मुस्ताक खान, रामकीर्ति शर्मा, मानवेंद्र सिंह नीरज, अशोक पटेल झब्बू, वसीम रजा, सज्जन पटेल, सत्या द्विवेदी सहित अन्य कई लोगों ने अपनी दावेदारी पेश की है। बॉक्स कैसे खत्म होगी गुटबाजीअखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा निर्धारित की गई प्रतिक्रिया और रीवा जिले दावेदारों की सूची देखकर यह सवाल अभी से उठने लगे हैं कि गुटबाजी कैसे खत्म होगी, दावेदारों में जिस तरह से अपनी ढ़पली अपनी राग अलापी है और अपने आकाओं के द्वारा अध्यक्ष पद पाने हेतु प्रयास किया जा रहा है उससे यह स्पष्ट झलकने लगा है कि पूर्व अनुसार ही गुटबाजी खत्म नहीं होगी यह जारी रहेगी जिला संगठन को एकजुट कर चलाना टेढ़ी खीर के समान दिख रहा है अब देखना यह है कि कौन होगा मुखिया और किस तरह मजबूत होगा जिला कांग्रेस संगठन जरूरी है एकजुट होकर कांग्रेस पार्टी की विचारधारा एवं सोच को राष्ट्रीय अध्यक्ष और राहुल गांधी के निर्देशों को जन-जन तक पहुंचना गुटबाजी अगर जारी रही तो स्थिति में सुधार नही होगा।

ढाई माह के बच्चे का मुंह दबाकर उसकी मां ने ली जान

2 साल 5 माह बाद हुआ खुलासा एफएसल रिपोर्ट व आडियो के आधार पर मनगवां पुलिस ने आरोपी मॉ को किया गिरफ्तार

रीवा। जिले मुख्यालय से करीब 25 किमी दूर मनगवां थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपने ही ढाई महीने के बच्चे की हत्या कर दी। शुरुआती तौर पर यह मौत सामान्य प्रतीत हुई थी, लेकिन जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल जांच और एक अहम ऑडियो क्लिप सामने आई, तो पूरा मामला पलट गया। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। मनगवां थाना पुलिस को जनवरी 2023 में एक नवजात की मौत की सूचना मिली थी। बच्चे के पिता प्रकाश गुप्ता ने इस मौत पर संदेह जताते हुए अपनी पत्नी प्रिया गुप्ता के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। प्रकाश का आरोप था कि उनकी पत्नी ने आपसी विवाद के चलते अपने बेटे की जान ले ली।पुलिस ने इस मामले में शुरुआत में संदेह के आधार पर जांच शुरू की, लेकिन ठोस सबूत न मिलने के कारण केस ठंडे बस्ते में चला गया। बाद में, जब आरोपी महिला और उसके पति के बीच हुई एक पुरानी बातचीत की ऑडियो क्लिप पुलिस के हाथ लगी, तो जांच को नई दिशा मिली। इस केस की जांच में अहम मोड़ तब आया, जब भोपाल लैब से आई फॉरेंसिक रिपोर्ट में पुष्टि हुई कि बच्चे की मौत दम घुटने से हुई थी। यह जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट से भी मेल खा रही थी। इसके साथ ही पति-पत्नी के बीच की वह ऑडियो क्लिप सामने आई, जिसमें आरोपी महिला ने अप्रत्यक्ष रूप से घटना का ज़िक्र किया था। पुलिस ने जब सभी तकनीकी व वैज्ञानिक साक्ष्यों को मिलाकर विश्लेषण किया, तो शक यकीन में बदल गया। घटना वाले दिन महिला का अपने देवर से विवाद हुआ था, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गई थी। बताया जा रहा है कि उस रात पति से भी उसकी फोन पर कहासुनी हुई थी। गुस्से और तनाव में आकर उसने मासूम बेटे लक्ष्य (उर्फ धैर्य) को बिस्तर पर सुलाते वक्त मुंह दबाकर उसकी जान ले ली। महिला ने पूछताछ में माना कि घटना वाले दिन वह पूरी रात सो नहीं पाई थी और गुस्से में थी। बच्चे ने दूध उल्टी किया, जिसके बाद उसे गुस्सा आ गया और उसने क्रोध में आकर बच्चे की जान ले ली।

वारदात के बाद किया मासूम को सुला देने का नाटकः हत्या के बाद महिला ने बच्चे के शव को अपने बगल में लिटाकर उसे ऐसे ढका जैसे वह सामान्य रूप से सो रहा हो। अगली सुबह उसने खुद को सामान्य दिखाने की कोशिश की, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट और ऑडियो साक्ष्य ने सारी कहानी उजागर कर दी। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर 6 जुलाई को आरोपी प्रिया गुप्ता को गिरफ्तार किया और न्यायालय में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है।

जबलपुर में हुई चोरी मामले में बिरसा मुंडा विचार मंच प्रदेश अध्यक्ष को फंसाने का आरोप

ग्रामीणों ने सिरमौर थाना का किया घेराव, एसडीओपी के आश्वासन के बाद शांत हुआ मामला

रीवा

जबलपुर जिले में सामने आए चोरी के एक मामले की जांच का असर अब रीवा जिले तक पहुंच गया है। सोमवार को सिरमौर थाना पहुंचकर सैकड़ों ग्रामीणों ने घेराव करते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। बता दे जबलपुर में हुई चोरी के के एक मामले में रीवा जिले के सिरमौर थाना क्षेत्र के मनीष कुशवाहा की गिरफ्तारी के बाद बिरसा मुंडा विचार मंच के मंच के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुकांत कुशवाहा पर आरोप है कि चोरी का सामान खरीदा है। इस तरह के आरोपों को झूठा बताते हुए विष्णुकांत ने समर्थकों सहित सोमवार को सिरमौर थाना का घेराव कर दिया। विष्णुकांत का आरोप है कि सिरमौर पुलिस ने जान-बूझकर आरोपी मनीष से चोरी का सामान खरीदने में उनका नाम बुलवाया है। जबलपुर की गोहलपुर पुलिस ने बीते दिनों चोरी के एक मामले में संदेही के रूप में मनीष कुशवाहा का नाम सामने आने पर सिरमौर आकर उसे हिरासत में लिया था। सिरमौर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेने के बाद पूछताछ की, जिसमें उसने चोरी की घटना कबूली। बताया जा रहा है कि आरोपी मनीष ने यह भी बताया कि चोरी के आभूषण 1 लाख 20 हजार रुपए में उसने विष्णुकांत कुशवाहा को बेंचा है। जिस पर सिरमौर पुलिस की मदद से विष्णुकांत को भी थाना बुलाया गया। लेकिन विष्णुकांत का कहना है कि मनीष द्वारा रंजिशन उसे फंसाया जा रहा है। जिस पर जबलपुर पुलिस ने विष्णुकांत को गोसलपुर थाना आकर अपने साक्ष्य पेश करने को कहा। लेकिन विष्णुकांत सोमवार को समर्थकों के साथ सिरमौर थाना पहुंच गए और कहा कि उन्हें सुनियोजित तरीके से फंसाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि उनके पास खुद को निर्दोष साबित करने के लिए सभी जरूरी दस्तावेज और साक्ष्य मौजूद हैं। प्रदर्शनकारी ग्रामीणों ने पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग की और आरोपी मनीष के झूठे बयान के आधार पर निर्दोष लोगों को परेशान न करने की बात कही। स्थिति को बिगड़ते देख मौके पर सिरमौर एसडीओपी उमेश प्रजापति पहुंचे और ग्रामीणों को समझाइश देकर मामले को शांत कराया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की निष्पक्ष जांच होगी और यदि कोई निर्दोष है तो उसे परेशान नहीं किया जाएगा। लगभग दो घंटे तक चला यह प्रदर्शन एसडीओपी के आश्वासन के बाद समाप्त हुआ।

वृक्षारोपण के महाभियान में हर अधिकारी अनिवार्य रूप से भागीदारी निभाएं ई ऑफिस में ऑनबोर्ड न होने वाले कार्यालय प्रमुखों की रुकेगी वेतन वृद्धि

रीवा । कमिश्नर कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में कमिश्नर बीएस जामोद ने टीएल पत्रों तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कमिश्नर ने कहा कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण करें। समाधान ऑनलाइन के एजेण्डा बिन्दुओं तथा 50 दिन से अधिक समय से लंबित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण करें। संभाग के सभी जिलों में एक पेड़ माँ के नाम अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक विकासखण्ड में एक लाख पौधे रोपित करने का लक्ष्य रखा गया है। सभी अधिकारी वृक्षारोपण के महाभियान में अनिवार्य रूप से भागीदारी निभाएं। सभी शिक्षण संस्थाओं के परिसर, छात्रावास परिसर, आंगनवाड़ी केन्द्र भवन परिसर तथा कार्यालय परिसरों में उपयुक्त स्थल पर पौधे रोपित करें। जिले के सभी प्रमुख सड़कों के किनारे भी अनिवार्य रूप से वृक्षारोपण कराएं। सभी नगर निगम तथा नगरीय निकाय पार्कों एवं अन्य उपयुक्त शासकीय भूमियों पर पौधे रोपित करें। पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पौधे रोपित करना हम सबकी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि अब पूरा शासकीय कामकाज ई ऑफिस के माध्यम से हो रहा है। सभी अधिकारी फाइलें और जानकारियाँ ई ऑफिस के माध्यम से ही भेजें। अन्य माध्यम से फाइलें स्वीकार नहीं होंगी। ई ऑफिस में सात दिन की समय सीमा में शेष बचे कार्यालय यदि ऑनबोर्ड नहीं होते हैं तो संबंधित कार्यालय प्रमुख की एक वार्षिक वेतनवृद्धि अवरूद्ध करने की कार्यवाही की जाएगी। ई ऑफिस में फाइल दर्ज करने के साथ ही इनका मूवमेंट भी सुनिश्चित करें। संभागीय अधिकारी अपने जिला और अन्य अधीनस्थ कार्यालयों में भी ई ऑफिस की व्यवस्था सात दिवस में अनिवार्य रूप से लागू कर दें। कमिश्नर ने कहा कि संभाग में मछली पालन विभाग द्वारा 68 स्मार्ट फिश पार्लर स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। आयुक्त नगर निगम तथा मुख्य नगर पालिका अधिकारी अपने निकाय में कम से कम एक स्मार्ट फिश पार्लर स्थापित कराएं। संयुक्त संचालक कृषि, सहायक संचालक उद्यानिकी तथा संयुक्त संचालक पशुपालन मछली पालन योग्य तालाबों के किसानों की सूची सात दिवस में उप संचालक मछली पालन को उपलब्ध कराएं, जिससे इनमें इस सीजन में मछली पालन किया जा सके।कमिश्नर ने कहा कि इस वर्ष लगातार अच्छी वर्षा हो रही है। संभाग के जिन क्षेत्रों में बाढ़ की आशंका है वहाँ राहत और बचाव के पूरे प्रबंध कर लें। बाढ़ प्रबंधन के लिए उत्तरप्रदेश के

अधिकारियों से सतत संपर्क में रहें। रपटों अथवा छोटे पुल जलमग्न होने पर बैरियर लगाकर तत्काल आवागमन बंद करें। कमिश्नर ने कहा कि कार्यक्षेत्र में महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न को रोकने के लिए माननीय न्यायालय के 2013 निर्देशों के अनुसार गठित आंतरिक समिति की नियमित रूप से बैठक आयोजित करें। समिति का हर तीन साल में पुनर्गठन करें। जिन कार्यालयों में समिति गठित नहीं है वे सात दिवस में समिति गठित कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। आंतरिक समिति का गठन न करने पर कार्यालय प्रमुख पर 50 हजार रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। प्रत्येक जिले में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को इसका नोडल अधिकारी बनाया गया है। बैठक में कमिश्नर ने कहा कि सेमरिया से बिरसिंहपुर मार्ग पर सुधार का कार्य तत्काल करें। आईएफएमआईएस पोर्टल में नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ नॉन रेग्युलर कर्मचारियों का समग्र डाटा अपलोड कराएं। कर्मचारियों के बैंक खाते में आधार सीडिंग अनिवार्य रूप से कराएं। बैठक में लंबित पेंशन प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। बैठक में संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, संयुक्त दिव्या त्रिपाठी, उपायुक्त श्रेयस गोखले, संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे, डीन मेडिकल कालेज डॉ सुनील अग्रवाल, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा डॉ आरपी सिंह, प्रभारी मुख्य अभियंता ऊर्जा प्रमा पाण्डेय, सहायक संचालक कृषि प्रीति द्विवेदी तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

पिता का इलाज करा रहे युवक के साथ 55 हजार की सायबर ठगी, पीड़ित ने समान थाना पुलिस से की शिकायत

रीवा। सायबर ठग गिरोह कब किस तरीके से लोगों को अपना शिकार बना ले कहां नहीं जा सकता। आए दिन लोग सायबर ठगी का शिकार होकर अपने जीवन की गाढ़ी कमाई से हाथ धो रहे है। ताजा मामला समान थाना क्षेत्र में सामने आया है जहां एक युवक साथ अज्ञात बदमाशों ने करीब 55 हजार रुपए की सायबर ठगी करते हुए उसके खाते से पैसा पार कर दिया। जब युवक को अपने साथ हुए फ्रॉड का एहसास हुआ तो उसने मामले की शिकायत समान पुलिस से की है। पीड़ित युवक अमर यादव पिता हनुमान प्रसाद यादव निवासी भीर थाना नईगढ़ी ने बताया कि उसके पिता बाइक के समाने कुत्ता आने से सड़क दुर्घटना का शिकार हो गए थे। बीते एक माह से समान थाना क्षेत्र अंतर्गत अपने पिता का उपचार एक निजी अस्पताल में करा रहे थे। पीड़ित ने बताया कि 6 जुलाई की शाम करीब 4 बजे उसके फोन पर एक कॉल आया, जिसमे उससे कहां गया कि उनके पिता को पैसा भेजना है, लेकिन फोन पे पर पैसा नहीं आ रहा। उसे बदमाशों ने पेटीएम डाउनलोड करने को कहां। इसके बाद जैसा-जैसा सायबर ठग कहते गए वो करता चला गया। पीड़ित ने बताया कि पिता की दवा लेने जब वह मेडिकल स्टोर गया और दवा लेकर फोन से पैसा डालने लगा तो पता लगा कि खाते में पैसा ही नहीं है, जिसके बाद उसे अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता लगा । पीड़ित ने बताया कि सायबर ठगो ने उसके खाते से 55 हजार 449 रुपए पार कर दिए है। फिलहाल समान पुलिस घटना के बाद अज्ञात सायबर ठगों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

कूलर, गमले, पुराने टायर में पानी जमा होने पर पनपते हैं डेंगू के मच्छर

रीवा । वर्षाकाल में दूषित पानी, दूषित भोजन से उल्टी दस्त का प्रकोप होता है। वर्षाकाल में घरों के आसपास जमा पानी, अनुपयोगी बर्तनों, टायरों आदि में जमा पानी में मच्छर पनपते हैं। इस संबंध में जिला मलेरिया अधिकारी स्मृता नामदेव ने कहा है कि इस माह को डेंगू जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। घर के आसपास साफ-सफाई रखकर मच्छरजनित रोगों से बचाव करें। घरों में गमले, पुराने टायरों, कूलर आदि में पानी जमा न होने दें। पानी एकत्रित करने वाले बर्तनों को तीन-चार दिन के अंतराल से साफ करते रहें। कूलर, फ्रिज की आईस ट्रे एवं पानी जमा होने के अन्य संभावित स्थलों की नियमित साफ-सफाई करें। इनसे मच्छरों को पनपने का अवसर नहीं मिलेगा और डेंगू तथा मलेरिया का खतरा कम होगा। जिला मलेरिया अधिकारी ने कहा कि डेंगू मच्छर जनित बीमारी है। डेंगू के मच्छर साफ पानी में पनपते हैं। घरों के आसपास कूलर, पुराने टायर, टूटे बर्तनों आदि में पानी जमा न होने दें। इस संबंध में लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। रीवा शहर, गंगेव, सिरमौर, मऊगंज, गोविंदगढ़, त्योंथर, रायपुर कर्चुलियान में डेंगू के मरीज मिले हैं। यदि किसी घर में मच्छर काटने से मलेरिया का प्रकोप होता है तो उसका दूसरे स्थान पर संक्रमण नहीं होता है। लेकिन डेंगू पैदा करने वाले मच्छर एक व्यक्ति को काटने के बाद पूरे क्षेत्र में तेजी से प्रजनन करता है जिससे कई व्यक्तियों को डेंगू होने का खतरा होता है। घरों में अनुपयोगी बर्तनों में पानी भरा होने पर ही यह मच्छर प्रजनन करता है। इसका मच्छर साफ पानी में प्रजनन करता है। इसलिए घर के गमलों, पुराने टायर, पानी संचित करने के पुराने बर्तनों में पानी जमा न होने दें।

ग्राम पंचायतों में तीन वर्ष का कार्यकाल हुआ पूरा, पंचायतों में समग्र विकास का अधूरा सपना

मऊगंज

प्रदेश की ग्राम पंचायतों का कार्यकाल 25 जून को तीन वर्ष पूरा हो गया कुछ नए सरपंचों ने तीन वर्ष पूरा होने पर वर्षगांठ भी मनाई जिन सरपंचों ने पंचायती व्यवस्था पर खुशी मनाई है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि भविष्य में ऐसे ही सरपंच पंचायत चलाने लायक होंगे ऐसा तब महसूस होने लगा जब सरपंचों के अधिकार के लिए उनके हाथ बांध दिए गए वर्तमान सरकार की पंचायती व्यवस्था जिस तरीके से संचालित है आगामी दिनों में सरपंचों का पंचायतों से मोह भंग हो सकता है ग्राम पंचायतों में कई प्रमुख योजनाएं बंद है या अधूरी रह गई जिसमे नल से जल की योजनाकपिल जलधारा कूप सुदूर सड़क मेड़ बंधान गौशाला पशु सेड हैंड

पंप उत्खनन और अन्य योजनाएं बंद पड़ी है

अधूरी संचालित योजनाएं

वृक्षारोपण खेत तालाब नाली निर्माण पीसीसी सड़क और अन्य योजनाएं जैसी कई योजनाएं बंद है या फिर आधी अधूरी चल रही हैं नरेगा में सिर्फ मजदूरों की उपस्थित दर्ज है सरकार की वृहद योजना नल जल कई वर्षों से चालू होकर बंद पड़ी है ग्राम स्वराज का सपना अब सरपंच और ग्राम निवासियों के लिए दूर की बात हो गई

विकास में स्थानांतरण की बाधा

ग्राम पंचायतों में वोट की राजनीति इतनी प्रभावशाली रही की विधायकों की ट्रांसफर सूची में सबसे आगे सचिव ही रहे दोनों विधानसभाओं में यह स्थिति बराबर की रही लगातार हर दो-चार महीने में सचिवों का स्थानांतरण विकास में बाधा के रूप में देखा गया नई आईडी पासवर्ड जैसी अड़चने प्रभावी रही कुछ स्थाई सचिव जनपद के अधिकारियों का शिकार होते रहे है नरेगा अधिकारी की मनमानी से कई योजनाएं हितग्राहियों तक नहीं पहुंच पाई विकास के लिए ग्राम पंचायतों में सड़क और पानी प्रमुख रूप से है किंतु पावर फुल सरपंचों ने सिर्फ निजी जमीनों में खेत में ही तालाब खोद कर समग्र विकास को दिखाते रहे और ज्यादातर ग्राम पंचायतों में हल्की बारिश से ही आवागमन प्रभावित हो रहा है

रोजगार सहायक भी हो सकते हैं स्थानांतरित

सरकार ने रोजगार सहायकों के स्थानांतरण की भी नीति बना चुकी है अब इस नीति से रोजगार सहायकों का भला होगा या ग्राम पंचायतों का यह समझना होगा किंतु मनचाही ग्राम पंचायतें अवश्य मिलेगी पंचायतो का लगभग दो वर्ष का कार्यकाल बाकी है इस स्थिति में ग्राम पंचायतें कितना विकास कर पाएंगी यह समय बताएगा किंतु सरकार की मंशा यही है कि ग्राम पंचायतों का उत्थान और समग्र विकास हो